प्रथम सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – द्वितीय : Paper Code 41542

प्रश्न पत्र – द्वितीय	प्रहसन एवं पालि	75 अंक
इकाई एक	मृच्छकटिक – महाकवि शूद्रक अंक 1, 2, 6 एवं 8वां (प्राकृत अंश मात्र गद्य एवं पद्य)	15 अंक
इकाई दो	पठित ग्रन्थ का भाषागत विवेचन एवं चरित्र–चित्रण	15 अंक
इकाई तीन	धम्मपद (प्रथम यमक एवं द्वितीय अप्पमाद वग्ग)	15 अंक
इकाई चार	पालि भाषा एवं साहित्य का परिचय	15 अंक
इकाई पांच	पठित ग्रन्थों का आलोचनात्मक अध्ययन (मृच्छकटिक एवं धम्मपद)	15 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. महाकवि शूद्रक – डॉ.रमाशंकर त्रिपाठी
2. इन्ट्रोडक्शन, स्टडी ऑफ मृच्छकटिकम् – डॉ.जी.वी.देवस्थली
3. शूद्रक का मृच्छकटिक – डॉ.विश्वनाथ शर्मा
4. मृच्छकटिक एक आलोचनात्मक अध्ययन – डॉ.सुषमा
5. धम्मपद – डॉ.सत्यप्रकाश शर्मा, प्रकाशक साहित्य भण्डार, मेरठ
6. पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय
7. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन
8. प्राकृत साहित्य की रूपरेखा – डॉ.तारा डागा
9. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.नेमिचन्द्र शास्त्री